

HEAT WAVE ACTION PLAN

2025-26

Kota, Rajasthan



राजस्थान सरकार

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

गर्मी/ताप की लहर (क्या करें और क्या ना करें)

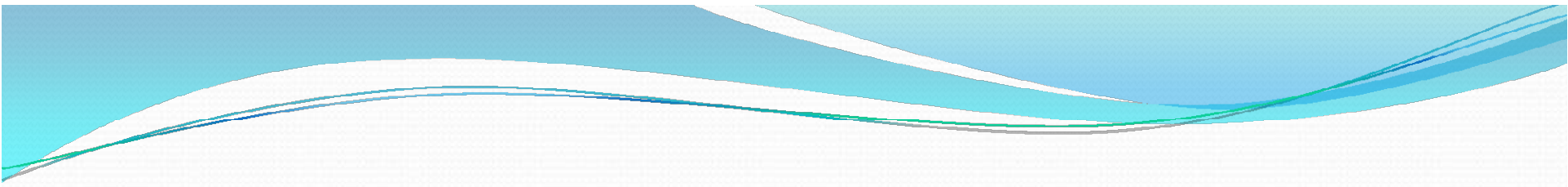
क्या करे (Do's)

सभी के लिए :

- रेडियों सुने / टीवी देखें / स्थानीय मौसम की जानकारी के लिए समाचार पत्र पढ़ें या संबंधित मोबाईल ऐप डाउनलोड करें ।
- पर्याप्त पानी पिये – अपने आप को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर के बने पेय जैसे लस्सी, निबू का पानी, छाछ आदि का सेवन करें ।
- हल्के रंग के ढीले, सूती कपड़े पहनें ।
- यदि कहीं बाहर है, तो अपना सिर ढके – कपड़े, टोपी या छतरी का उपयोग करें । आंखों की सुरक्षा के लिए धूप के चश्मे का प्रयोग करें और त्वचा की सुरक्षा के लिए सनस्क्रीन लगाएं ।
- प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षण लें ।

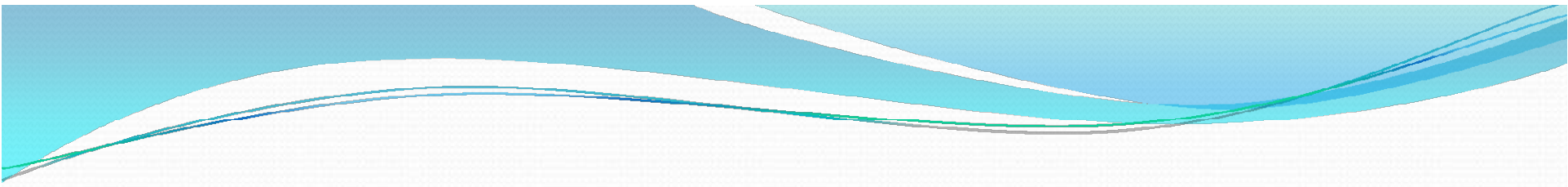
नियोक्ता और श्रमिक

- कार्य स्थल पर ठंडे पेयजल का प्रबंध करें ।

- 
- सभी श्रमिकों के लिए आराम के लिए छाया, साफ पानी, छाछ, आइस-पैक के साथ प्राथमिक चिकित्सा किट और ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) का प्रबंध रखे ।
 - श्रमिकों के लिए सीधी धूप से बचने के लिए कहे ।
 - श्रमसाध्य कार्यों को दिन के कम ताप वाले समय में ही करें ।
 - बाहरी गतिविधियों के दौरान विश्राम करने की आवृत्ति और सीमा समय बढ़ाये ।
 - श्रमिकों को लू से संबंधित चेतावनी के बारे में सूचित करे ।
 - जिन श्रमिकों के लिए गर्मी वाले क्षेत्र नए हो, उन्हें हल्का काम और कम घंटों का काम दें ।

अन्य सावधानियां

- बंद वाहन में बच्चों या पालतू जानवरों को कभी अकेला ना छोड़े ।
- पंखें और नम कपड़ों का प्रयोग करे, ठंडे पानी में स्नान करे ।
- सार्वजनिक परिवहन और कार – पूलिंग का उपयोग करे । यह भूमण्डलिय ऊष्मीकरण और गर्मी को कम करने में मदद करेगा ।
- पेड लगाये । सूखी पतियों, कृषि अवशेषों और कचरे को न जलाएं ।
- जल स्रोतों का संरक्षण करे । वर्षों के जल को संचयित करे ।

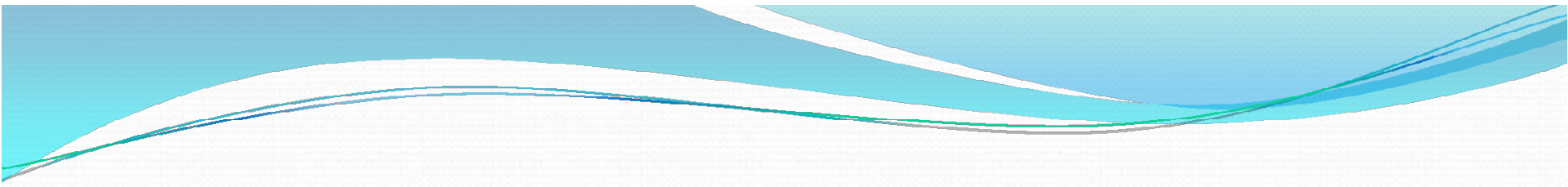
- 
- ऊर्जा –कुशल उपकरणों, स्वच्छ ईंधन और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग करें ।
 - अगर आपको चक्कर आ रहे हैं या आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं तो तुरन्त डॉक्टर के पास जाये या किसी को तुरन्त डॉक्टर के पास जाने के लिए कहे ।

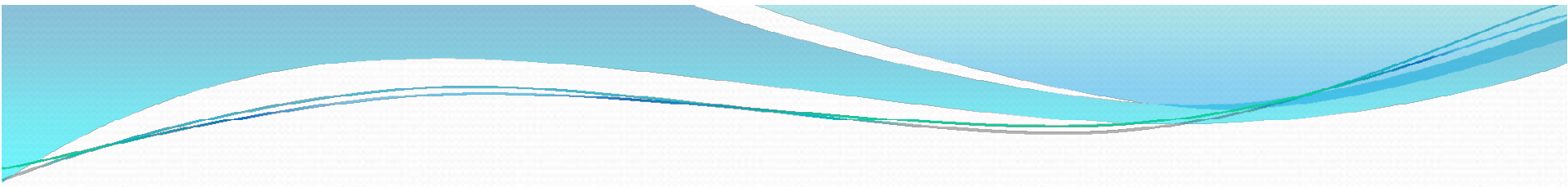
नया घर बनाते समय

- नियमित दीवारों की बजाय कैविटी तकनीक का उपयोग करें ।
- चौड़ी दीवारें बनवाएं । वे घर को ठंडा रखती हैं ।
- जालीदार दीवारें और लोब वाले उद्घाटनों का निर्माण करें । वे अधिकतम वायु-प्रवाह कर गर्मी को अवरुद्ध करते हैं ।
- दीवारों को रंगने के लिए प्राकृतिक सामग्री जैसे चूने या मिट्टी का उपयोग करें ।
- यदि संभव हो तो कांच के इस्तेमाल से बचे ।
- निर्माण करने से से पहले बिल्डिंग टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ से सलाह लें ।

मवेशी के लिए

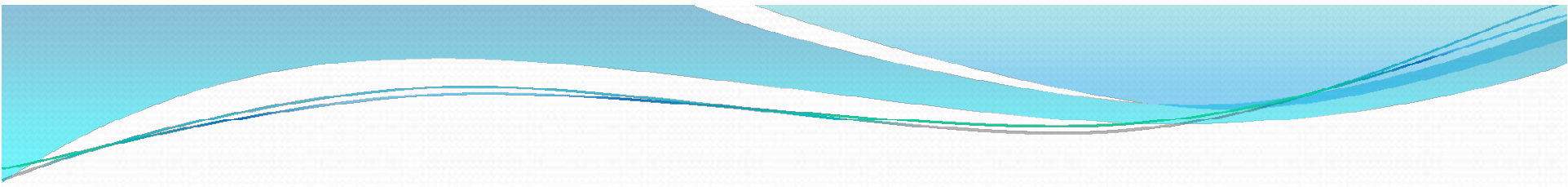
- पशुओं को छाया में रखें और उन्हें पीने के लिए पर्याप्त, स्वच्छ और ठंडा पानी दें ।
- उनसे सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच काम न लें ।

- 
- शेड की छत को पुआल से ढक दे, तापमान कम करने के लिए इसे सफेद रंग / चूने से रंग दे या गोबर से लीप दें।
 - लेड में पंखे, वाटर स्प्रे और फॉमर्स का प्रयोग. करे ।
 - अत्यधिक गर्मी के दौरान, पानी का छिडकाव करे और मवेशियों को ठंडा करने के लिए एक जल निकाय पर ले जाए।
 - उन्हें हरी घास, प्रोटीन – वसा बाईपास पूरक, खनिज मिश्रण और नमक दें। कम गर्मी वाले घंटों के दौरान उन्हें चरने दें।



क्या न करें (Don't)

- धूप में बाहर जाने से बचे, खासकर दोपहर 12 और 3 बजे के बीच ।
- दोपहर में बाहर भारी कामों से बचे ।
- नंगे पांव बाहर न जायें ।
- दिन के सबसे गर्म समय के दौरान खाना पकाने से बचे । खाना पकाने वाले हिस्से को हवादार बनाए रखने के लिए दरवाजे और खिड़कियां खुली रखे ।
- शराब, चाय, कॉफी और कॉर्बोनेटेड शीतल पेय से बचें । वे शरीर को निर्जलित करते हैं ।
- अधिक प्रोटीन वाले भोजन से बचें । बासा भोजन ना करे ।

- 
- पार्क किए गए वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़े, वे गर्म हवा से प्रभावित हो सकते हैं ।
 - ऐसे बल्बों का उपयोग करने से बचे जो अनावश्यक गर्मी उत्पन्न करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे कि लगातार चलते हुए कम्प्यूटर या बिजली के उपकरण ।
 - लू से प्रभावित व्यक्ति के उपचार के लिए टिप्स
 - तापमान को कम करने के लिए पीड़ित के सिर पर गीले कपड़े का उपयोग करें/पानी डालें ।
 - व्यक्ति को ओआरएस / नीबू शरबत या जो कुछ भी शरीर को पुनः सक्रिय करने के लिए उपयोगी हों, पीने के लिए दें ।
 - व्यक्ति को तुरन्त नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र ले जायें ।
 - यदि लगातार उच्च तापमान बना रहता है और सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी, मतली या भटकाव आदि के लक्षण स्पष्ट महसूस हो तो ऐसी स्थिति में 100 नं पर कॉल करें ।



“लू”

यानी तेज़ गर्मी
जानलेवा हो सकती है!

निम्नलिखित सावधानियां बरतें



- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें।
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो।
- ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैरो लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैंड अथवा छातरी का उपयोग करें।
- जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
- बच्चों अथवा भातलू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।



आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

Toll Free No. - 112/1070

<https://dmrelief.rajasthan.gov.in>

हीट वेव से संकट को
होने वाले नुकसान





क्या आप
“लू”
 से बचाव के लिए तैयार हैं?

निम्नलिखित सावधानियां बरतें



- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें।
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं- भले ही प्यास न लगी हो।
- ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लरसी, तोरानी (बाकल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, टैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- जानवरों को छाया में रखें और तन्हे पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
- बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं - उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।





क्या आप घर से बाहर

“लू”

में काम करते हैं?

निम्नलिखित सावधानियां बरतें



- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें।
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो।
- ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, चोखनी (बाफल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।

- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढक्कन रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- नंगे पांव बाहर न जाएं।
- गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें।
- काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें।
- पेड़ या छाया में ही आसरा लें।



आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

Toll Free No. - 112/1070

<https://dmrelief.rajasthan.gov.in>



धूप में जाने से बचें

निम्नलिखित सावधानियां बरतें



- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – थले ही प्यास न लगी हो
- ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैरो लस्सी, तोरानी (घाघल फल मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- जानवरों को छाया में रखें और तन्हे पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
- बच्चों अथवा घालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।



आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

Toll Free No. - 112/1070

<https://dmrelief.rajasthan.gov.in>



दोपहर में शारीरिक मेहनत वाले काम से बचें

निम्नलिखित सावधानियां बरतें



- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – गले ही प्यास न लगी हो
- ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (यायल कब मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना शिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
- बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।



आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग Toll Free No. - 112/1070 <https://dmrelief.rajasthan.gov.in>



अपने जानवरों को “लू” से बचाएं

लू के दौरान पालतू जानवरों के लिए सावधानियां



- जल तक संभव हो, तेल गर्मी के दौरान उन्हें घर के भीतर रखें।
- यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहाँ वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहाँ उन्हें रखा हो वहाँ दिग्गमर छाया रहे।
- जानवरों को किसी बंद जगह में न रखें, क्योंकि गर्म मौसम में इन्हें जल्दी गर्मी लगने लगती है।
- ध्यान रखें कि आपके जानवर पूरी तरह शांत हो, उन्हें खाना पीने का पानी दें, पानी को धूप में न रखें। दिन के समय उनके पानी में कर्त को छुड़के डालें।

- पीने के पानी को दो बाउल रखें ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें।
- अपने पालतू जानवर को खाना धूप में न रखें।
- यदि आपके पास गूल्ला है तो उसे गर्मी में न रखें। उरी सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम में ठंडा हो।
- कुत्ते को गर्म सतह (पटरी, तारकोल की सड़क, गर्म रेत) पर न सलाएं।
- किसी भी रिश्ते में जानवर को वाहन में न छोड़ें।



आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

Toll Free No. - 112/1070

<https://dmrelief.rajasthan.gov.in>



अपने जानवरों को “लू” से बचाएं

लू के दौरान पालतू जानवरों के लिए सावधानियां



- जल तक समय हो, चोज गर्मी के दौरान उन्हें घर के भीतर रखें।
- यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहाँ वे जल तक पहुँच सकें। ध्यान रखें कि जहाँ उन्हें रखा हो वहाँ दिनभर छाया रहे।
- जानवरों को किसी बंद में न रखें, क्योंकि गर्म मौसम में इन्हें जल्दी गर्मी लगने लगती है।
- ध्यान रखें कि आपके जानवर पूरी तरह राफ हो, उन्हें छाया पीने का पानी दें, पानी को घूप में न रखें। दिन के समय उनके पानी में बर्फ के टुकड़े डालें।

- पीने के पानी के दो वाउल रखें ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें।
- अपने पालतू जानवर का खाना शूष में न रखें।
- यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न छोड़ें। उसे सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम में ठंडा हो।
- सूखे को गर्म सतह (पट्टी, तारकोल की सड़क, गर्म रेत) पर न छोड़ें।
- किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।





बढ़ती गर्मी में वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों की करें खास देरवभाल

निम्नलिखित सावधानियां बरतें



- तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों, तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें।
- ध्यान रहे कि उनके पास फोन हो।
- यदि वे गर्मी से बैचैनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें।
- उनके शरीर को गीला रखें, उन्हें नहलाएं अथवा उनकी गर्दन तथा बगलों में गीला तौलिया रखें।
- उनके शरीर को ठंडक देने के साथ साथ डॉक्टर अथवा एम्बुलेंस को बुलाएं।
- उन्हें अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखने के लिए कहें।





शिशुओं को “लू” से बचाएं

बच्चों के लिए सावधानियाँ



- उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाएं।
- शिशुओं में गर्मी की वजह से होने वाली बीमारियों का पता लगाना सीखें।

- यदि बच्चे के पेशाब का रंग गहरा है तो इसका मतलब है कि वह डीहाइड्रेशन (पानी की कमी) का शिकार है।
- बच्चों को बिना देखरेख खड़ी गाड़ी में छोड़ कर न जाएं, वाहन जल्दी गर्म होकर खतरनाक तापमान पैदा कर सकते हैं।



आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग Toll Free No. - 112/1070 <https://dmrelief.rajasthan.gov.in>



अपने बच्चों को तेज़

“लू”
से बचाएं

बच्चों के लिए सावधानियाँ

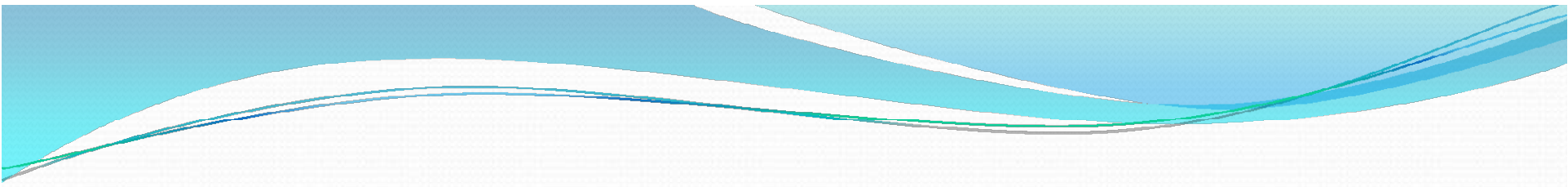


- हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें। नींबू पानी / छाछ / नारियल पानी / ताजे फलों के रस का नियमित रूप से सेवन करें।
- इल्के रंग के धीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना शिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं।

- खासतौर से दोपहर 12 बजे से रात 4 बजे के बीच घर में सीपे न जाएं। शाम के समय खेलें।
- यदि बच्चे को चक्कर आएँ, उल्टी, घबराहट अथवा तेज़ शिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो रही हो तो उसे डॉक्टर को दिखाएं।



आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग Toll Free No. - 112/1070 <https://dmrelief.rajasthan.gov.in>



NDMA Advisory for heat wave 2025

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

- विभिन्न स्थानों पर हीट वेव अलर्ट के लिए कलर कोडिंग वाले डिस्प्ले डिजिटल बोर्ड लगाएं।
- सामान्य जागरूकता के लिए क्या करें और क्या न करें का व्यापक रूप से प्रचार करें, अधिमानतः क्षेत्रीय भाषा में।
- क्षेत्रीय भाषा में आईईसी प्रिंट सामग्री (प्रिंट सामग्री, रेडियो—जिंगल्स और टीवी) प्रकाशित करें।

स्वास्थ्य विभाग

- स्वास्थ्य केंद्रों और आंगन बाड़ियों में ओआरएस पैकेट, आवश्यक दवाएं, अंतःस्रावी तरल पदार्थ, आइस पैक आदि का स्टॉक रखें।
- गर्मी की लहर से संबंधित किसी भी स्थिति से निपटने के लिए विशेष एसी वार्ड समर्पित किए जा सकते हैं।
- जिला अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रारंभिक चेतावनी प्रसार की निगरानी।

NDMA Advisory for heat wave 2025

- ग्राम स्तर तक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश एवं प्रशिक्षण।
- गर्मी की लहर के कारण मृत्यु दर और मृत्यु की रुग्णता की निगरानी और रिपोर्टिंग सख्ती से पालन किया जा सकता है।
- यदि कोई सामूहिक जमावड़ा हो तो आसपास की स्वास्थ्य सुविधाओं को सतर्क और सक्रिय किया जा सकता है।
- प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर रेपिड रेस्पॉन्स टीम का गठन किया गया है।
- चिकित्सा अधिकारी प्रभारी द्वारा प्रत्येक नरेगा साईट को विजिट किया जायेगा एवं मेड को आवश्यक औषधी एवं ओ.आर.एस उपलब्ध करवाया जायेगा।
- राजकीय चिकित्सालयों में पर्याप्त चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टॉफ दवाईयों तथा संसाधनों की सुनिश्चितता हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटा को निर्देशित किया गया है।

कोटा विकास प्राधिकरण/शहरी स्थानीय निकाय/ पंचायती राज

- ग्रामीण विकास और श्रम एवं रोजगार, विभागों के सहयोग से मनरेगा श्रमिकों, निर्माण श्रमिकों के लिए विशेष आश्रय स्थापित करना और उनके काम के घंटों को पुनर्निर्धारित करना।
- लू प्रभावित क्षेत्रों/मोहल्लों में पेयजल सुविधा की व्यवस्था करना।
- पार्कों, बस स्टैण्डों, पर्यटन स्थलों एवं खुले क्षेत्रों में छाया की व्यवस्था करें।
- सभी क्षेत्रों विशेषकर अनौपचारिक बस्तियों में पानी की निर्बाध आपूर्ति।
- अत्यधिक गर्मी की स्थिति के दौरान अल्पकालिन राहत उपाय के रूप में पीने के ठंडे पेयजल और बर्फ घोल की उपलब्धता की जा सकती है।
- समर्पित शीतल कक्षों की सीपना करना जो पूरे गर्मी के मौसम में क्रियाशील रहें, तथा संवेदनशील आबादी को राहत प्रदान करें।
- शहर के कुछ हिस्सों में प्रकृति आधारित समाधान (वृक्षारोपण, हरित गलियारे, शहरी, वन, झील पुनरुद्धार) को शामिल करना,

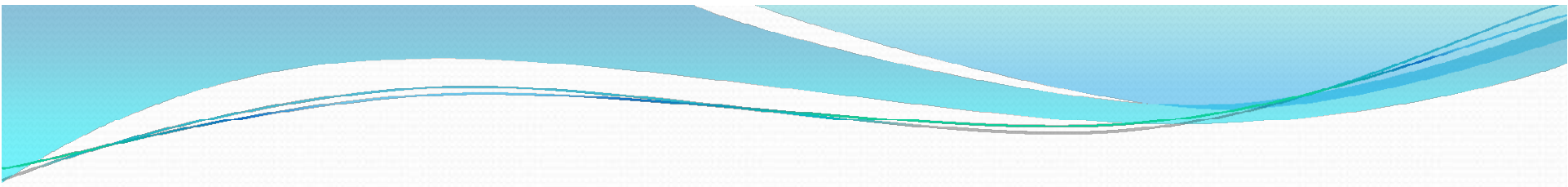


NDMA Advisory for heat wave 2025

- शामिल करना, इमारतों में निष्क्रिय शीतलन तकनीकों को शामिल करना, विशेष रूप से सभी सार्वजनिक इमारतों में निष्क्रिय शीतलन समाधान के भाग के रूप में कूल रूफिंग तकनीकी को शामिल करना ताकि गर्मी के जोखिम को कम किया जा सके और इन उपायों को व्यापक कूल एक्शन प्लान फ्रेमवर्क के भीतर एकीकृत किया जा सके।
- शिक्षा क्षेत्र
- अत्यधिक गर्मी/दोपहर से बचने के लिए स्कूल का समय पुनः निर्धारित किया जाना चाहिए। स्कूल जल्दी शुरू हो सकते हैं और दोपहर से पहले बंद हो सकते हैं।
- सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में पेयजल स्टेशन कियोस्क/शेड की स्थापना
- बाहरी शारीरिक गतिविधियों से बचना होगा।

जिला स्तर

- लू के कारण क्या करें और क्या न करें के बारे में जनता को सूचित और शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं।
- गर्मी से संबंधित बीमारियों के जोखिमों और खतरों पर नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें सार्वजनिक भवनों, मॉल, धार्मिक स्थानों आदि जैसे शीतलन केंद्रों को सक्रिय करें।



NDMA Advisory for heat wave 2025

- गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक समूहों और व्यक्तियों से लू की स्थिति के दौरान सार्वजनिक लू स्थानों पर पीने के पानी/छाछ के कियोस्क खोलने का आग्रह करें...
- बिजली वितरण/पारेषण कंपनियों से अस्पतालों और यूएचसी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए बिजली आपूर्ति बनाए रखने को प्राथमिकता देने का आग्रह करें।
- चुनाव के मतदान के समय और अन्य सभी आवश्यक उपायों के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ समन्वय करें।
- स्थानीय स्तर पर जब भी आवश्यकता हो, स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों आदि के समय में परिवर्तन लागू करें।

- 
- गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक समूहों और व्यक्तियों से लू की स्थिति के दौरान सार्वजनिक लू स्थानों पर पीने के पानी/छाछ के कियोस्क खोलने का आग्रह करें...
 - बिजली वितरण/पारेषण कंपनियों से अस्पतालों और यूएचसी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए बिजली आपूर्ति बनाए रखने को प्राथमिकता देने का आग्रह करें।
 - चुनाव के मतदान के समय और अन्य सभी आवश्यक उपायों के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ समन्वय करें।
 - स्थानीय स्तर पर जब भी आवश्यकता हो, स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों आदि के समय में परिवर्तन लागू करें

श्रम विभाग

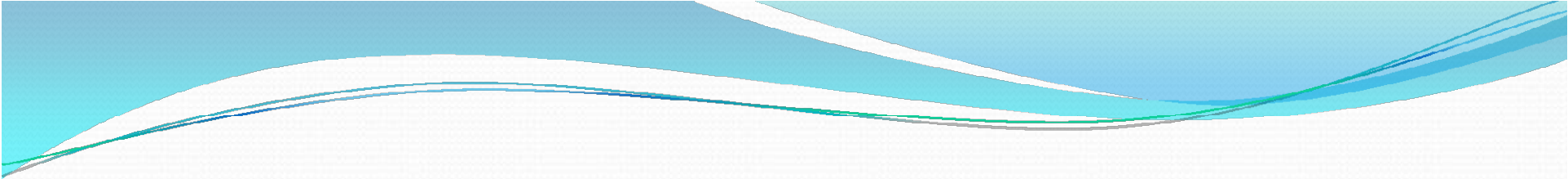
- गर्मी की लहर से संबंधित बीमारियों के संबंध में निर्माण/उद्योग/वाणिज्यिक अधिकारों के साथ प्रशिक्षण।
- चरम गर्मी के घंटों से बचने के लिए काम के समय पर सलाह जारी की जा सकती है।
- स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्रों और बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर,
- श्रमिकों के लिए सभी कार्य परिसरों में पेयजल की सुविधा

- विद्युत विभाग —

- बिजली वितरण/पारेषण कंपनियों से अस्पतालों और यूएचसी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए बिजली आपूर्ति बनाए रखने को हेतु निर्देशित किया गया।
- ग्रष्म ऋतु में ढीले तारों से होने वाली समस्या के संबंध नियमित मोनिटरिंग एवं प्रबंध किया जाना सुनिश्चित करें।
- ग्रीष्म ऋतु में अत्यधिक विद्युत कंजम्पशन के कारण विद्युत विभाग के ट्रांसफार्मर एवं विद्युत यंत्रों में आगजनी की घटना एवं इससे विद्युत आपूर्ति बाधित होने संबंधी समस्या के संबंध में पूर्व तैयारी किया जाना सुनिश्चित करें।

- जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग

- ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बोरवेल एवं पेयजल स्रोतों में अनावश्यक पानी बहने एवं अनावश्यक पानी की मोटर चालू रहने की स्थिति में लोगों को ग्रीष्म ऋतु पानी बचाने एवं पानी की आवश्यकता समाप्त होने पर मोटर बंद करने हेतु जागरूक करें।
- स्वच्छ पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखें।
- ग्रामीण क्षेत्रों में खराब पड़े हेण्डपम्प, मोटर को अविलम्ब सही करावें।



Thank you

A decorative graphic featuring the text "Thank you" in a white, elegant script font. The text is centered over a background of blue orchids. The entire scene is overlaid with a pattern of semi-transparent blue and white hearts of various sizes, creating a bokeh effect. The image is framed by a white border, and a decorative blue wavy border is at the top.